1
More Than
20 Years
Experience

2
GMP
Certified Organization

3
Certified & Approved
Products
by University

जहर मुक्त पैथी
अशोका होम्योपैथी...

क्रांति

इलाज में अशोका होम्योपैथिक के साथ...

Ashoka®
HOMOEOPATHY

for further information, please contact :

Ashoka Homoeopathic Laboratory

Website : www.ashokalab.com, www.facebook.com/ashokalabhsr/
email : ashokalaboratory288@gmail.com

Ashoka

am-pm™ ऐ एम-पी एम™

दूध उतारने या पशु पोशाने की अचूक दवा।

नीचे दिए गए लक्षणों में प्रयोग करें:-

• पशु का इंजेक्शन से दूध देना • दूध देते समय हिलना-ढुलना व गुदगुदी होना • दूध पूरा न उतारना • दूध चढ़ा जाना • दूध देते समय बैचेनी होना • थनों का अच्छी तरह न पोशना।

Pack: 10x15 ml.

औषधि की मात्रा : 5-5 ml. दिन में 2 बार रोटी के टुकड़े पर डालकर या सिरिंज से पिचकारी मारें।

पशु चिकित्सक औषधि की मात्रा में बदलाव कर सकते हैं।

ध्यान देने योग्य बातें :

तुरन्त ब्याऐ पशु में यदि पोशने की दिक्कत हो तो, **am-pm** के साथ यूट्रोनिक जरुर दें।

काफी समय से दूध दे रहे पशु में यदि पोशने की दिक्कत हो तो, **am-pm** के साथ मिल्कोटोन जरुर दें।

पशु का इंजेक्शन छुटवाने के लिए **am-pm** कि डोज **2-2 ml** लम्बे समय तक पिलायें।

यदि पोशने की दिक्कत स्ट्रेस की वजह से हो तो **am-pm** जरुर पिलायें।

Masta-Forte®

मैस्टाफोर्ट®

अगर आपके पशु का दूध उत्पाद अचानक कम हो जाए तो,

पशु को थनेला की बीमारी हो सकती है, थनेला के पहचान के लक्षण

दूध का पतला होना अथवा दूध में खून या छिछड़े आना

थनों में सूजन, दर्द, कड़ापन, लालपन

दूध में खट्टापन व बदबू आना

थन का गरम होना

थनेला रोग को होम्योपैथिक दवा

मैस्टाफोर्ट® से ठीक कर सकते हैं।

Pack: 30 ml.

इस्तेमाल का तरीका

- 2 ml सिरिंज में भरकर मुँह में पिचकारी मारें।
- 30 बूँद रोटी पर डालकर खिलाएं।
- मात्रा:
  30 बूँद (सुबह)
  30 बूँद (सायं)

Actino Cure® एक्टीनो क्योर®

बीस सालों से पशु पालकों की भरोसेमन्द

Actino Cure निम्न लक्षणों पर कार्य करती है

- गले की गाँठ (बेल)
- गले पर जख्म होना
- कान से पस आना
- ल्योटी में गाँठ बनना
- पूरे शरीर पर छोटी-छोटी गाँठ बनना

Pack: 30 ml.

उपयोग की विधि :

- 30 बूँदें (2 ml.) दिन में 3–4 बार रोटी के टुकड़े पर डालकर या सिरिंज से पिचकारी मारें।

नाड़ (फाइबरोसिस) का रामबाण

Masta-Forte® मैस्टाफोर्ट® + Actino Cure® एक्टीनो क्योर®

Pack: 30 ml.

नीचे दिए गए लक्षणों में प्रयोग करें:-

- थन में नाड़ बनना।
- ल्योटी में गाँठ बनना।
- थन में से थोड़ा सा भी दूध न निकलना।
- थन व ल्योटी का पत्थर की तरह सख्त होना।
- दूध में पस आना।

Pack: 30 ml.

प्रयोग विधि:

- 30–30 बूँदे (दोनों मे से – 2-2 ml.) दिन में 3–4 बार रोटी के टुकड़े पर डालकर या सिरिंज से पिचकारी मारें।

Prolapse Cure™ प्रौलैप्स क्योर™

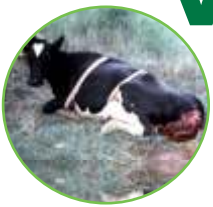

प्रोलैप्स क्योर™ ब्याने से पहले और ब्याने के बाद, फूल दिखाने की बिमारी को ठीक करती है।

Prolapse Cure निम्न लक्षणों पर कार्य करती है

- ब्याने से पहले कैल्शियम की कमी को पूरा करती है।
- ब्याने से पहले पशु में इस्ट्रोजन हार्मोन्स को नियन्त्रित करती है।
- पशु में ब्याने से होने वाले तनाव को कम करती है।
- ब्याने के बाद होने वाली कैल्शियम की कमी को रोकती है व पशु को खड़ा रहने की ऊर्जा प्रदान करती है।

पशुपालकों के ध्यान देने योग्य बातें।

- एक ही जगह अधिक समय तक न बांधे।
- पेट फूल जाए ऐसा खाद्य/चारा न खिलाएं।
- सड़ा हुआ/बासी खाद्य नहीं देना।
- निवास स्थान की सफाई का ध्यान रखना।
- पशु के पुट्ठे का भाग, ऊँचा रखकर बांधना।

Pack: 30 ml.

प्रयोग विधि:

- 30 बूँदें (2 ml.) दिन में 3–4 बार रोटी के टुकड़े पर डालकर या सिरिंज से पिचकारी मारें।

Tail Guard™ टेल–गार्ड™

पूँछ की लेदरी के ऑप्रेशन से बचे!

पशुपालकों के ध्यान देने योग्य बातें।

Tail Gangrene (लेदरी) का इलाज सिर्फ ऑप्रेशन समझा जाता है, जबकि **अशोका होम्योपैथिक**® की टेल–गार्ड से कम खर्चे पर लेदरी को जड़ से खत्म कर सकते है।

Tail-Guard निम्न लक्षणों पर कार्य करती है

- पूँछ की लेदरी/काला होना।
- पूँछ पर गोल चक्कर बनना।
- पूँछ के बाल झड़ना।
- अररा लगना।
- पूँछ का गल जाना।
- पशु का थन या कान का गलकर झड़ जाना।
- पशु की ल्योटी या शरीर के किसी भी भाग पर मस्से होना।

Pack: 30 ml.

प्रयोग विधि:

- 30 बूँदें (2 ml.) दिन में 3–4 बार रोटी के टुकड़े पर डालकर या सिरिंज से पिचकारी मारें।

Foetus Care™ फिटस केयर™

हर साल एक स्वस्थ बच्चा

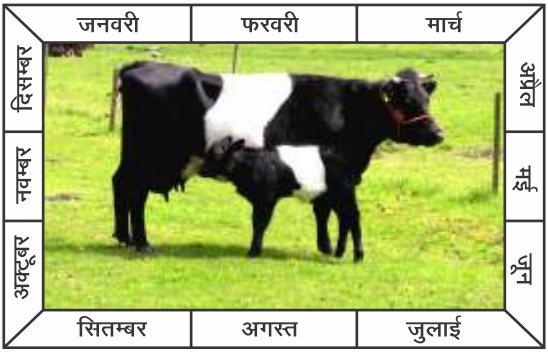

Foetus Care निम्न लक्षणों पर कार्य करती है

- बार–बार गर्भपात होना।
- बार–बार गर्भ में बच्चा मरना।
- A. i. के बाद भी गर्भ न ठहरना।
- ठण्डे टिके की जगह दें।
- P. D. के बाद प्रयोग करें।

नोट :– यदि पशु को पिछली बार छट्ठे महीने में गर्भपात हुआ हो तो इस बार पाँचवे महीने से **फिटस केयर**™ शुरु करनी है।

Pack: 30 ml.

उपचार विधि

- 30 बूँदें (2 ml.) दिन में 3–4 बार रोटी के टुकड़े पर डालकर या सिरिंज से पिचकारी मारें।

Calf-Cozy™ काफ–कोजी™

पशु के दर्द को समझें?

Calf- Cozy के फायदे

- दर्द/वेदना होते समय बछड़ा अंदर ही आडा–टेढ़ा हो गया है, ऐसी स्थिती में काफ–कोजी™ 20 - 20ml कम से कम 10–10 मिनट के अन्तर से दें और प्रतीक्षा करें बछड़ा सीधा होकर प्रसूति होती है।

- बछड़े का कुछ भाग बाहर निकलता है और फिर अंदर जाता है, ऐसे समय में काफ–कोजी™ गुणकारी है।

- प्रसूति (ब्याने) से 20 दिन पहले काफ–कोजी™ शुरु करने से पशु सही समय पर ब्याता है ज्यादा दर्द भी नहीं होता जैसे ब्याने से पहले बेचैनी, समय–समय मूत्र विसर्जन, पेट दर्द इत्यादि।

प्रसूति (ब्याने) से पहले प्रत्येक पशु को पिलाएं, पशु समय पर व आसानी से ब्याता (प्रसूति) है।

Pack: 60 ml.

प्रयोग विधि:

- 10-10 ml. दिन में 3–4 बार रोटी के टुकड़े पर डालकर या सिरिंज से पिचकारी मारें।

Placento™ प्लास्न्टो™

जेर गिराने की सबसे कारगर दवा

उपचार विधि

- पशु के ब्याने के आधा घण्टे बाद पूरी बोतल पिलाएं।
- यदि पशु एक घण्टे बाद भी जेर न गिराए तो दूसरी बोतल पिलाएं।

Pack: 15 ml.

Placento निम्न लक्षणों पर कार्य करती है

- पशु को सभी प्रकार के इन्फेक्शन से बचाती है।
- ब्याने (प्रसूति) के बाद की कमजोरी को दूर करके पशु को ऊर्जा प्रदान करती है।

Utronic™

यूट्रोनिक™

यूट्रोनिक™ का उपयोग कब करें

Pack: 250 ml.

- ब्याने/प्रसूति के बाद मैले से न चलना व जोर लगाने पर।
- पशु नियमित समय पर जेर ना गिराये।
- जेर निकलवाने के बाद।
- बछड़ा जबरदस्ती से निकालने पर।
- प्रसूति (ब्याने) के बाद दुर्गन्ध और सड़नयुक्त स्त्राव संचित होना।
- प्रसूति/ब्याने के बाद दूध से ना बढ़ने व बुखार हो जाने पर।

Utronic™ के फायदे

- बच्चेदानी की सूजन व जख्म को ठीक करती है।
- जेर का कुछ भाग अन्दर रह जाने के कारण विषजन्य अवस्था को सही करती है।
- ब्याने के बाद पशु को दूध से बढ़ाती है।
- ब्याने के बाद के बुखार को ठीक करती है।

जेर गिराने या निकलवाने के बाद लगातार 2–3 बोतल पिलाएं ताकि आगे पशु रिपिट ना करें।

प्रयोग विधि:

- 15 ml. दिन में 3–4 बार रोटी के टुकड़े पर डालकर या सिरिंज से पिचकारी मारें।

पशु का बार-बार फिरना

Utronic™ यूट्रोनिक™ + Repi Cure™ रिपी क्योर™

एक सप्ताह के लिए

अगले दो सप्ताह के लिए

Pack: 250 ml.

Pack: 250 ml.

यदि पशु आज गर्मी (हिट) में आता है तो टिका/नई न करवाएं। आज से ही **Utronic** (यूट्रोनिक) एक सप्ताह के लिए इस्तेमाल करें। अगले 14 दिन 2 बोतल **Repi Cure** पिलाएं, पशु जब अगली बार गर्मी/हिट में आए तो उसको टिका रखवाएं/नई करवाएं। इसके बाद पशु नहीं फिरेगा।

प्रयोग विधि:

- 15 ml. दिन में 3–4 बार रोटी के टुकड़े पर डालकर या सिरिंज से पिचकारी मारें।

Worm-Nasak™ वर्म–नाशक™

पेट के कीड़ों के लक्षण

- आँखों से पानी व गीढ़ आना
- पशु में कमजोरी व पतला गोबर
- भूख ज्यादा – दूध कम
- त्वचा शरीर से चिपकी हुई व चमकहीन चमड़ी
- बदबूदार गोबर
- मिट्टी व दीवार चाटना
- गोबर के साथ कृमि बाहर आना
- पेट भीतर की ओर व पूँछ घड़ी की पेंडूलम जैसे हिलाना

वर्म–नाशक™ होम्योपैथिक सुरक्षित **Dewormer** है, जो पशु के पेट में मरे हुए या जीवित कीड़ों को शरीर से बाहर निकालता है।

पशुपालकों के ध्यान देने योग्य बातें।

- पशुओं की आंतड़ियों में अनेक प्रकार के कृमि होते है। वह अत्यधिक संख्या में होने के पश्चात ही पीड़ा का अनुभव होता है। इनके मुख्य प्रकार निम्नलिखित है :–

1. राउंड वर्म
2. थ्रेड वर्म
3. पिन वर्म
4. टेप वर्म

Pack: 15 ml.

प्रयोग विधि :

- बड़े पशु : Single Dose
- छोटे पशु : 7.5 ml. दिन में दो बार

Livoma™ लिवोमा™

लीवर के लिए सर्वोत्तम दवा

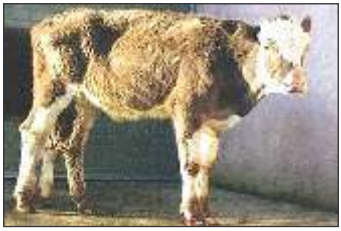

Livoma निम्न लक्षणों पर कार्य करती है

- कटड़े व बछड़े का वजन न बढ़ना।
- जब पशु दाना–चारा कम खाएँ व क्षमता से ज्यादा चारा खाएँ।
- जब नई तुड़ी (चारा) डाला जाएँ व पशु को गोबर के बंधे की शिकायत हो।
- अनपचा दाना या चारा गोबर के साथ आए व दूषित चारे की वजह से दस्त लगे।
- पतला गोबर करे या खाया पिया ना लगे।
- दूध कम होना, भूख कम होना व आँखों से
- आँसू निकलना।

इस्तेमाल का तरीका

बड़े पशु:
15 ml. हर रोज
(चार दिन तक)

छोटे पशु:
7.5 ml. हर रोज
(आठ दिन तक)

Pack: 4x15 ml.

Milko Tone™ मिल्कोटोन™

ब्याने से पहले लेवा व ब्याने के बाद दूध बढ़ाती है।

Milko Tone निम्न लक्षणों पर कार्य करती है

- ब्याने से पहले लेवा कमजोर होना।
- ब्याने से पहले ल्योटी टेड़ा मेड़ा होना।
- दूध देते वक्त पशु का लात मारना व बेचैनी।
- किसी भी कारण से अचानक दूध का कम होना।
- दूध की गुणवत्ता व शुद्धता का कम होना।

लेवा बढ़ाने के लिए ब्याने से 20 दिन पहले 2 बोतल अवश्य दें।

ब्याने के बाद दूध बढ़ाने के लिए, पहले दो बोतल यूट्रोनिक जरूर पिलाएं।

Pack: 500/1000 ml.

प्रयोग विधि

- 25 ml दिन में 3–4 बार रोटी के टुकड़े पर डालकर या सिरिंज से पिचकारी मारे।

Scabizen™ स्कैबिजन™

त्वचा के रोगों का बाहरी भाग से उपचार करने का अर्थ है, जड़ों को कायम रखकर केवल पत्ते तथा शाखाएं तोड़कर वृक्ष नष्ट करने का प्रयास करना। अर्थ यह है कि केवल बाहरी भाग से उपचार से त्वचा रोग नष्ट नहीं होते। अन्य चिकित्सा पद्धति में त्वचा रोगों को जड़ से खत्म नहीं कर सकते, जबकि होम्योपैथिक दवा स्कैबिजन™ से त्वचा रोगों को जड़ से खत्म कर सकते हैं।

Scabizen निम्न लक्षणों पर कार्य करती है

- कुत्ते/पशु के शरीर पर दाद, खाज–खुजली, खारिश व सुखापन होना।
- पशु के खुजली की वजह से बाल झड़ना।
- पशु का अपने शरीर को खुद काटना।
- पशु का खुँर, गर्दन, ल्योटी के पास से गलना।
- त्वचा का चमकहीन होना।

Pack: 30 ml.

प्रयोग विधि

- 30 बूँदें (2 ml) दिन में 3–4 बार रोटी के टुकड़े पर डालकर या सिरिंज से पिचकारी मारे।

Rheumatol™ रूमाटोल™

गुमचोट व बाय की अचूक दवा

Rheumatol निम्न लक्षणों पर कार्य करती है

- पशु को गुमचोट लगना।
- शरीर का जकड़ जाना।
- ब्याने से पहले बाय आना।
- पशु के शरीर के किसी भी हिस्से में झटका लगना।

Pack: 30 ml.

प्रयोग विधि

- 30 बूँदें (2 ml) दिन में 3–4 बार रोटी के टुकड़े पर डालकर या सिरिंज से पिचकारी मारे।

F.M.D. Cure™ एफ.एम.डी. क्योर™

रोग की जानकारी :– यह अति भयावह रोग है। दो खुरों वाले जानवरों को होती है जैसे गाय, भैंस, बैल, बकरी इत्यादि। निकृष्ट व असंतुलित चारा लेने में प्रतिरोधक शक्ति कम होती है जिससे वातावरण में फैले विषाणु कमजोर पशुओं पर शीघ्र आक्रमण करते है। एफ.एम.डी. क्योर™ पिलाने से पशु की रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है, जिससे मुँह खुर का विषाणु आक्रमण नहीं करता।

सावधानी रखें–

- ज्यादा ठण्ड वाले वातावरण में लम्बे समय तक न बाँधे।
- अस्वच्छ व खराब जगह पर विषाणु ज्यादा त्वरित होते है, इसलिए पशुओं के स्थान को साफ सुथरा रखे।
- इंफेक्शन वाले पशु को सामान्य पशु से अलग बाँधे।

F.M.D. Cure™ निम्न लक्षणों में प्रयोग करें

- पशु के मुँह से लार टपकना व पैरों में जख्म।
- जीभ व मुँह में छाले होना।
- पशु लंगड़ा के चले या किसी प्रकार की चलने में दिक्कत होना।

Pack: 30 ml.

प्रयोग विधि :–

- ग्रसित पशु :– 5 ml. दिन में चार बार
- साधारण पशु :– 2 ml. दिन में चार बार

Heama Chura™ हेमा चूरा™

अन्दरूनी रक्त स्त्राव की उत्तम औषधी

Heama Chura निम्न लक्षणों पर कार्य करती है

- पेशाब में खून आना।
- दूध में खून आना।
- ब्याने के बाद खून आना।
- नाक, कान व मुँह से खून आना।

दूध में रक्त आने पर मैस्टाफोर्ट + हेमा चूरा दोनों दवाईयों को प्रयोग करें।

Pack: 30 ml.

प्रयोग विधि

- 30 बूँदें (2 ml) दिन में 3–4 बार रोटी के टुकड़े पर डालकर या सिरिंज से पिचकारी मारे।

Heat Rock™ हिट रोक™

गर्मी लगे पशु के लिए अचूक दवा

Heat Rock निम्न लक्षणों में प्रयोग करें –

- पशु का गर्मी में हांफना।
- पशु को लू लगना व बुखार होना।
- ब्याने के बाद हांफना।
- पशु के शरीर में पानी की कमी होना।

Pack: 30 ml.

प्रयोग विधि

- 30 बूँदें (2 ml) दिन में 3–4 बार रोटी के टुकड़े पर डालकर या सिरिंज से पिचकारी मारे।

अशोका होम्योपैथिक®

मानवीय औषधियाँ विशिष्ट रोगों के लिए

- पत्थरी के लिए।
- बवासीर के लिए।
- सफेद पानी की समस्या के लिए।
- गदूद् के लिए।
- यौन सम्बंधी समस्याओं के लिए।

किडनी स्टोन रोगियों के लिए उपयोगी आहार सलाह

हाँ! कहने में आसान, करने में आसान उनके के लिए जो अपनी किडनी सुरक्षित एवं स्वास्थ्य चाहते है।

- नारियल पानी
- एलोवेरा जूस
- अनानास जूस
- पपीता
- क्रेनबेरी जूस
- सेब
- मूंग दाल
- गाजर
- आलू
- कद्दू
- नींबू
- बेर
- मकई रेशम का पानी
- जौं
- नींबू पानी
- मूली
- मठ्ठा
- लहसून
- दही
- चिड़वा
- कुल्थी दाल
- करेला
- काला चना
- केला
- खुमानी
- बादाम

नहीं ! कहने में कठिन, परंतु बहुमूल्य उन रोगियों के लिए जिन्हें पत्थरी अथवा पत्थरी की सम्भावना है।

- कॉफी
- चॉकलेट
- बैंगन
- भिंडी
- टमाटर
- पालक
- औट मील
- काले अंगूर
- कीवी
- चीकू
- राजमा
- फूल गोभी
- काजू
- पोपी सीड
- बीन्स
- शिमला मिर्च
- खीरा
- मैदा
- ब्रान
- आवलां
- स्ट्रॉबेरी
- फालसा
- मशरूम
- मटर

Stone out™

- गुर्दे की पत्थरी व असहनीय दर्द।
- पेशाब की नलकी व **bladder** की पत्थरी।
- पित्त की पत्थरी का दर्द व उल्टी लगना।
- **Stone Out** दोबारा पत्थरी होने से रोकती है।
- **UTI** के **Infection** को दूर करने में सहायक है।

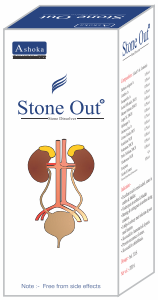

100ml.

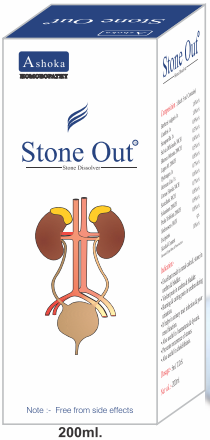

200ml.

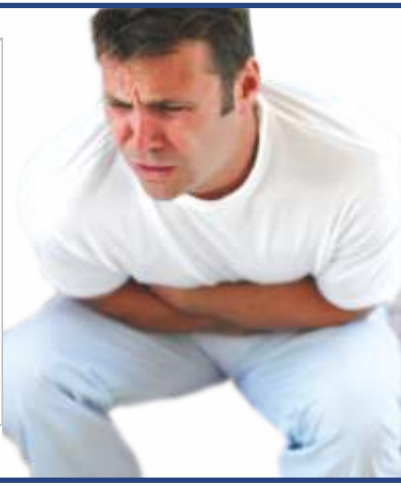

उपयोग: 5ml, दिन में 3 बार खाना खाने से आधा घण्टा पहले या बाद में लें।

नोट:: पानी का सेवन ज्यादा से ज्यादा करें, कम से कम दो गिलास पानी के साथ **Stone Out** औषधि की खुराक लें।

नोट Pain के Case में 5-5ml, 5-5 मिनट के अन्तराल में तीन से चार-बार प्रयोग करें।

बीस सालों से भरोसेमंद

अशोका होम्योपैथिक लेबोरेट्री

अपनी समस्याओं और सलाह एवं सुझाव

के लिए दवा कम्पनी के प्रतिनीधियों से सम्पर्क करें–

For Online Purchase and More Information

Please Contact, Mr. Sunil Dhamu +91- 90509-28528

क्षेत्र	दूरभाष
सिरसा, रेवाड़ी, मेहन्द्रगढ़, नारनौल, रोहतक, झज्जर, सोनीपत, हनुमानगढ़	82228-57510
गंगानगर, सूरतगढ़, अनुपगढ़, सीकर, झुन्झुनूं, चौमू, जयपुर, बीकानेर	93528-21730
अम्बाला, कुरुक्षेत्र, करनाल, कैथल, नरवाना, जीन्द, पानीपत, असन्ध	82228-57501
हिसार, हांसी, नारनौंद, बरवाला, सिवानी, आदमपुर, अग्रोहा	99926-56098
फतेहाबाद, टोहाना, भट्टू, जाखल, भिवानी, दादरी, लोहारु	82228-57508
नोहर, भादरा, तारानगर, सरदारशहर, राजगढ़, चिड़ावा, पिलानी	81044-65353

Ashoka®
HOMOEOPATHY

For more details:

ASHOKA HOMOEOPATHIC LABORATORY

e-mail: ashokalaboratory288@gmail.com, web: www.ashokalab.com

facebook:www.facebook.com/ashokalabhsr/ Helpline: +91 9416324835